

B. A. 1st Semester (General) Examination, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC1/GE-1

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु षट्-प्रश्नानामुत्तरं विधेयम्। तेषु प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव सुरगिरा समाधेयम्। 5×6=30
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।)
- a) मातृभाषया अनुवादः कार्यः (मातृभाषाय अनुवाद करो)।
পৌরেযু সোহহং বহুলীভবন্তমপাং তরঙ্গেষ্বিব তৈলবিন্দুম্।
সোঢ়ং ন তৎপূৰ্বমবৰ্ণমীশ আলানিকং স্থাণুমিব দ্বিপেদ্রঃ।।
অথবা,
কল্যাণবুদ্ধেরথবা তবায়ং ন কামচারো ময়ি শঙ্কনীয়ঃ।
মমৈব জন্মান্তরপাতকানাং বিপাকবিসৃফুর্জথুরপ্রসহঃ।।
- b) मातृभाषया अनुवादः कार्यः (मातृभाषाय अनुवाद करो)।
সখীনিব প্রীতিযুজোহনুজীবিনঃ সমানমানান্ সুহৃদশ্চ বন্ধুভিঃ।
স সন্ততং দর্শয়তে গতস্ময়ঃ কৃতাধিপত্যামিব সাধু বন্ধুতাম্।।
অথবা,
অনেকরাজন্যরথাশ্বসঙ্কুলং তদীয়মাস্থাননিকেতনাজিরম্।
নয়ত্যুগ্মচ্ছদগন্ধিরাদ্রতাং ভৃশং নৃপোপায়নদন্তিনাং মদঃ।।
- c) सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या —
সরল সংস্কৃতে প্রসঙ্গ নির্দেশপূর্বক ব্যাখ্যা করো—
সা নীয়মানা রুচিরান্ প্রদেশান্ প্রিয়ঙ্করো মে প্রিয় ইত্যনন্দং।
নাবুদ্ধ কল্পদ্রমতাং বিহায় জাতং তমাত্মন্যসিপত্রবৃক্ষম্।।
অথবা,
ত্রিন্যাসু যুক্তৈর্নৃপ চারচক্ষুষো ন বঞ্চনীয়াঃ প্রভবোহনুজীবিভিঃ।
অতোহর্হসি শ্ৰুন্তমসাধু সাধু বা হিতং মনোহারি চ দুর্লভং বচঃ।।

d) संस्कृतेन भावसम्प्रसारणं विधेयम्।

संस्कृत भाषाय भावसम्प्रसारणं करो।

बैदेहिवक्त्रोर्हृदयं विदधे।

अथवा,

न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः॥

e) टीका लेख्या—बुद्धचरितम्।

टीका लेखो—बुद्धचरितम्।

f) कालिदासोत्तरयुगे महाभारतस्य काहिनीमबलस्य रचितस्य महाकाव्यद्वयस्य नाम लिख्यताम्। एकस्य संक्षिप्तपरिचयः प्रदेयः।

कालिदास परवर्ती युगे महाभारतेर काहिनी अबलम्बन करे रचित दुटि महाकाव्येर नाम लेखो। ये कोनो एकटिर संक्षिप्त परिचय दाओ।

g) नैषधचरितविषयः संक्षेपेण आलोचनीयः।

नैषधचरित विषये संक्षेपे आलोचना करो।

h) टीका लेख्या—रावणवधमहाकाव्यम्।

टीका लेखो—रावणवधमहाकाव्यम्।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नत्रयस्य उत्तरं दीयताम्।

10×3=30

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

a) 'रघुवंशम्' इति महाकाव्यस्य चतुर्दशसर्गमबलस्य सीताविसर्जने रामचन्द्रेण प्रदर्शितानि कारणानि स्वभाषया पर्यालोच्यताम्।

'रघुवंशम्' এই মহাকাব্যের চতুর্দশ সর্গ অবলম্বনে সীতা বিসর্জনে রামচন্দ্র কর্তৃক প্রদর্শিত কারণসমূহ নিজের ভাষায় পর্যালোচনা করো।

b) 'किराताजुनीयम्' इति महाकाव्यस्य प्रथमसर्गे युधिष्ठिरं प्रति बनेचरस्य वचनमाश्रित्य दुर्योधनस्य राज्यशासनपद्धतिः आलोच्यताम्।

'किराताजुनीयम्' महाकाव्येर प्रथमसर्गे वर्णित युधिष्ठिरेर प्रति बनेचरेर वचन अनुसारे दुर्योधनेर राज्यशासन पद्धति आलोचना करो।

c) "स विजयतां रविकीर्तिः कविताश्रिता कालिदासभारविकीर्तिः—भारवेः परिचयः प्रदेयः।

"स विजयतां रविकीर्तिः कविताश्रिता कालिदासभारविकीर्तिः—भारविर परिचय दौ।

d) कालिदासविरचितानि महाकाव्यानि आलोच्यताम्।

कालिदास विरचित महाकाव्यগুলি आलोচনা करो।

e) "माघे सन्ति त्रयो गुणाः"—महाकविमाघविषये नातिदीर्घा टीका लेख्या।

"माघে সন্তি ত্রয়ো গুणाঃ"—মহাকবি মাঘ বিষয়ে নাতিদীর্ঘ টিকা লেখো।